भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2137

उत्तर देने की तारीख: 12.05.2016

उत्तर-पूर्वी राज्यों की संस्कृति तथा जीवन के संबंध् में पाठ्य-पुस्तकें

2137. श्रीमती वानसुक साइमः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में पढ़ रहे उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों में व्याप्त भेदभाव तथा विलगाव की भावना को दूर करने के लिए, एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों की संस्कृति तथा जीवन के संबंध में पाठ्य पुस्तक प्रारम्भ करने की प्रक्रिया में है, जिन्हें पूरे देश में सी॰बी॰एस॰ई॰ से सम्बद्ध स्कूलों में अध्ययनरत सभी छात्रों के लिए अनुपूरक पाठ के रूप में निर्धरित किया जाएगा; और

(ख) सी॰बी॰एस॰ई॰ पाठ्यक्रम में उपयोग हेतु यह पठन सामग्री कब तक तैयार हो जाएगी, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) और (ख): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने एनसीईआरटी के सभी स्तरों और विषय-क्षेत्रों की पाठ्य-पुस्तकों में पूर्वोत्तर क्षेत्र की संस्कृति और वहां के जीवन से जुड़ी विषय-वस्तुएं समाविष्ट की हैं। एनसीईआरटी द्वारा ''पूर्वोत्तर भारत की महिलाएं: वैशिष्ट्य'' ("वीमेन ऑफ नार्थ-ईस्ट इन्डिया: मेकिंग ए डिफरेंस'') नाम से सहायक पठन-सामग्री भी तैयार की गई है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूल एनसीईआरटी पाठ्यचर्या, पाठ्य-विवरण तथा पाठ्य-पुस्तकों का अनुकरण करते हैं। सीबीएसई ने अपने अनेक परिपत्रों में पूर्वोत्तर के लोगों की संस्कृति तथा बोर्ड द्वारा पहले से संचालित खुली-पुस्तक आधारित मूल्यांकन, फिल्म-निर्माण प्रतियोगिता, भारत विरासत प्रश्नोत्तरी तथा विज्ञान-प्रदर्शनी जैसे सह-पाठ्यचर्या कार्यक्रमों के सम्बन्ध में सुग्राह्यता पर भी जोर दिया है।

*****